हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

मान वकी और भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए. **[**हिन्दी**]** सेमेस्टर- **1**

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 408 **[HIL408**]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी की उत्पत्ति, वकास और बो लयाँ:पुरानी हिन्दी, दकनी, भाषा परिचय

क्रे डट : 04 **[** एक क्रे डट व्याख्यान, संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला/व्यावहारिक कार्य/ट्युटोरियल/शक्षक नियंत्रित गति व धयाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य, सामूहिक कार्य, निर्धारित अनिवार्य/ वैकल्पिक कार्य, साहित्य समीक्षा, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, शोध-पत्र लेखन, सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के सामान हैं]

पाठ्यक्रमउद्देश्य : पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को भाषा के महत्त्व और उपयो गता के साथ हिन्दी भाषा की वशेष स्थिति तथा उसकी सांस्कृतिक-चेतना से परि चत कराना है | हिन्दी के क्षेत्र, वस्तार तथा संभावनाओं का अध्ययन करते हुए उसकी सीमाओं का मूल्यांकन करना भी पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, जिससे छात्रों में एक वशेष भाषा-परंपरा के वश्लेषण की क्षमता वक सत होसके |

उपस्थितिअनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है |न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड :

क.] मध्याव ध-सत्र परीक्षा - 25%

ख.] सत्रांत परीक्षा - 50%

ग.] सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%

* गृह कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - **10%**

* कक्षा प्रस्तुतियां - 5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए.[हिन्दी] , सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी की उत्पत्ति, वकास और बो लयाँ :पुरानी हिन्दी, दकनी, भाषा परिचय

कोर्स कोड **-HIL 408** क्रे डट - 4

इकाई -1 भाषा: अर्थ, स्वरूप और वशेषताएं

- भाषा- अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- भाषा की वशेषताएँ
- भाषा और बोली में सम्बन्ध

इकाई -2 हिन्दी की ऐतिह सक पृष्ठभू म

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ
- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ

इकाई-3 हिन्दी की उपभाषाएँ और बो लयाँ

- हिन्दी की प्रमुख बो लयों का परिचय
- काव्य भाषा के रूप में ब्रज और अवधी का वकास
- खड़ी बोली हिन्दी का उद्भव एवं वकास

इकाई-4हिन्दी का अर्थ और वस्तार 8 घंटे

- हिन्दी: अर्थ और स्वरूप
- दकनी हिन्दी तथा उर्दू भाषा का वकास
- हिंदी-उर्दू अन्तःसम्बन्ध

इकाई-5 हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

- राजभाषा और राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी
- हिन्दी का मानक स्वरूप
- देवनागरी ल प, वशेषताएँ तथा मानकीकरण

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. *भाषा और समाज : राम वलास शर्मा*
2. *भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी*
3. *हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा*
4. *हिन्दी भाषा का उद्भव और वकास :उदय नारायण तिवारी*
5. *हिन्दी भाषा का सं क्षप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी*
6. *भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : राम वलास शर्मा*
7. *भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की वकास परंपरा : राम वलास शर्मा*
8. *हिन्दी साहित्य और संवेदना का वकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी*
9. *हिन्दी भाषा संरचना के व वध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव*
10. *हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी*
11. *भाषा वज्ञान : भोलानाथ तिवारी*
12. *आधुनिक भाषा वज्ञान : राजम ण शर्मा*
13. *उर्दू का आरं भक युग : शम्सुर्रहमान फ़ारूकी*
14. *उर्दू भाषा और साहित्य : रघुपति सहाय 'फराक़' गोरखपुरी*
15. *हिंदी,उर्दू और हिन्दुस्तानी : पद्म संह शर्मा*
16. *दक्खिनी हिंदी : बाबुराम सक्सेना*

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

सेमेस्टर-1,प्रश्नपत्र -3

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल. 410 (□ □ 410)

पाठ्यक्रम शीर्षक- कहानी श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय

व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का लक्ष्य वद्या र्थयों को कहानी वधा से अवगत करना है | हिन्दी साहित्य की कहानी वधा, वधा के तौर पर कब प्रकाश में आई ? उसकी सशक्त परम्परा का निर्माण कब और कन साहित्यिक व्यक्तियों के द्वारा हुआ? आज के समकालीन दौर में हिन्दी कहानी कस तरह जन्मूल्यों को उठाती है? उसकी रचना-प्र क्रया और उसका नयापन क्या है ? इन तमाम जिज्ञासाओं के आलोक में एम.ए.(हिन्दी) के वद्या र्थयों के भीतर गंभीर साहित्यिक ववेक पैदा करना है,जिससे क उनके भीतर रचनात्मक ववेक पैदा कया जा सके |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

सेमेस्टर-1,प्रश्नपत्र -3

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल. 410 (□ □ 410)

पाठ्यक्रम शीर्षक- कहानी श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

इकाई-1 हिन्दी कहानी का उद्भव और वकास (8 घंटे)

क) कहानी: अर्थ एवं स्वरूप

ख) संस्कृत कथा साहित्य का वकास

ग) हिन्दी की पहली कहानी : मनन एवं मंथन

घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और वकास

ङ) एक टोकरी भर म ी कहानी : समीक्षा एवं पाठ वश्लेषण

च) ग्यारह वर्ष का समय कहानी : समीक्षा एवं पाठ वश्लेषण

इकाई-2 प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी (8 घंटे)

क) प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानियाँ : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) प्रेमचंद पूर्व कहानियों का वकास

ग) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : चंद्रधर शर्मा गुलेरी की 'उसने कहा था' कहानी

इकाई-3 प्रेमचंद युगीन हिन्दी कहानी (8 घंटे)

क) प्रेमचंद युगीन हिन्दी कहानियाँ : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) प्रेमचंद युगीन प्रमुख कहानियाँ एवं उनका वश्लेषण

ग) प्रेमचंद युगीन कहानियों का शल्पगत वकास

घ) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : प्रेमचंद की 'कफन' कहानी

ङ) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : प्रसाद की 'आकाशदीप' कहानी

इकाई-4 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी (8 घंटे)

क) प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानियाँ : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) प्रेमचंदोत्तर युगीन प्रमुख हिन्दी कहानियाँ एवं उनका वश्लेषण

ग) प्रेमचंदोत्तर युगीन कहानियों का शल्पगत वकास

घ) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : यशपाल की ' चत्र का शीर्षक' कहानी

ङ) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : अज्ञेय की 'गैंग्रीन' कहानी

च) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : रेणु की 'तीसरी कसम'कहानी

इकाई-5 नई कहानी एवं समकालीन कहानी : दशा और दिशा (8 घंटे)

क) नई कहानी: प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) नई कहानी: वषय वस्तु एवं शल्पगत वकास

ग) पाठ ववेचन एवं समीक्षा : निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी

घ) समकालीन कहानी : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ङ) समकालीन कहानी :प्रमुख प्रश्न और संभावनाएं

च) पाठ ववेचन एवं वश्लेषण : ओमप्रकाश वाल्मी क की 'सलाम' कहानी

संभा वत ग्रन्थ -

आधार ग्रन्थ :

1. कृष्ण कुमार (संपादन) प्रेमचंद की श्रेष्ठ कहानियाँ,वाणी प्रकाशन,दिल्ली
2. जयशंकर प्रसाद प्रतिन ध कहानियां, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. यशपाल भूख के तीन दिन,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
4. गीतांज ल श्री (सम्पादन) अज्ञेय : कहानी संचयन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. फणीश्वर नाथ रेणु प्रतिनि ध कहानियां,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. निर्मल वर्मा परिंदे, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
7. ओमप्रकाश वाल्मी क सलाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :

8. देवीशंकर अवस्थी साहित्य वधाओं की प्रकृति, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
9. परमानन्द श्रीवास्तव कहानी की रचना-प्र क्रया,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2012
10. गंगाधरन वी. प्रसाद की कहानियां सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन, वाणी प्रकाशन,दिल्ली
11. श्रीमती मृदुला प्रसाद अज्ञेय की कहानियों का वस्तु- शल्प, प्रय साहित्य सदन, सोनिया वहार,दिल्ली,2010

12 देवी शंकर अवस्थी नयी कहानी: सन्दर्भ और प्रकृति,राजकमल,दिल्ली,1973

13 डॉ. आलोक राय कथाकार निर्मल वर्मा : दृष्टि और सृष्टि,प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली

154राजेन्द्र यादव कहानी : अनुभव और अ भव्यक्ति,वाणी,दिल्ली

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

मान वकी और भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए. [हिन्दी] सेमेस्टर- **1**

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. **440 [HIL440]**

पाठ्यक्रम शीर्षक :हिन्दी साहित्य का इतिहास: आरंभ से रीतिकाल तक

क्रे डट : 04[एक क्रे डट व्याख्यान, संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य / ट्युटोरियल / शक्षक नियंत्रित गति व धयाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य, सामूहिक कार्य, निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य, साहित्य समीक्षा, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, शोध-पत्र लेखन, सेमीनार, प्रबंध-लेखन इत्यादि के 15 घंटे के समान हैं]

पाठ्यक्रमउद्देश्य : पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को साहित्य इतिहास के जीवन्त तथा शाश्वत तत्त्वों के संग्रहण की क्षमता से पूर्ण करना है; साथ ही छात्रों को हिन्दी साहित्य की बहु वस्तृत वरासत से परि चत कराते हुए एक वशेष साहित्यिक परंपरा के गहन अध्ययन और वश्लेषण का अवसर देना है |

उपस्थितिअनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है |न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क.] मध्याव ध-सत्र परीक्षा - 25%

ख.] सत्रांत परीक्षा - 50%

ग.] सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%

* गृह कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा – 10%

* कक्षा प्रस्तुतियां - 5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए. [हिन्दी] सेमेस्टर- **1**

पाठ्यक्रम कोड **- HIL 440** क्रे डट - 4

पाठ्यक्रम शीर्षक -हिन्दी साहित्य का इतिहास:आरंभ से रीतिकाल तक

<u>पाठ्यक्रम ववरण -</u>

इकाई -1 साहित्येतिहास लेखन तथा काल वभाजन

- साहित्येतिहास का महत्त्व
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
- हिन्दी साहित्य का इतिहास: काल वभाजन और नामकरण

इकाई – 2 आदिकाल

- हिन्दी साहित्य का आरम्भ, आदिकाल की पृष्ठभू म
- सद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो साहित्य, लौ कक साहित्य

इकाई -3 भक्तिकाल-एक

- भक्ति आन्दोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभू म
- संत काव्यधरा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण क व
- सूफ़ीकाव्यधारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण क व

इकाई -4भक्तिकाल -दो

- रामभक्ति काव्यधारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण क व
- कृष्ण भक्ति काव्यधारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण क व
- भक्ति काल की उपलब्धियां एवं पतन के कारण

इकाई – 5 रीतिकाल

- रीति काल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभू म,दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य
- रीतिबद्धतथा रीति सद्ध काव्यधाराएं प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण क व
- रीतिमुक्त काव्यधाराएं प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण क व

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल*
2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ.नगेन्द्र*
3. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द् ववेदी*
4. *हिन्दी साहित्यः उद्भव और वकास : हजारी प्रसाद द् ववेदी*
5. *हिन्दी साहित्य की भू मका : हजारी प्रसाद द् ववेदी*
6. *साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय*
7. *महावीर प्रसाद द् ववेदी और हिन्दी नवजागरण : राम वलास शर्मा*
8. *हिन्दी साहित्य का अतीत : वश्वनाथ प्रसाद मश्र*
9. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास ; बच्चन संह*

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

सेमेस्टर-1, प्रश्नपत्र - 4

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल. 510 (**HIL** 510)

पाठ्यक्रम शीर्षक- आदिकालीन साहित्य श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का लक्ष्य वद्या र्थयों को हिन्दी साहित्य के उद्भव से परि चत कराना है | हिन्दी साहित्य की शुरुआत के समय मौजूद व भन्न चन्ताधाराओं के वषय में जानकारी प्रदान करना है, जिससे क साहित्यिक समझ को वक सत कया जा सके | यही नहीं हिन्दी साहित्य के उद्गम और उसकी गौरवशाली परम्परा के दाय से एम.ए.(हिन्दी) के वद्या र्थयों को परि चत कराया जा सके |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

सेमेस्टर-1, प्रश्नपत्र - 4

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल. 510 (**HIL** 510)

पाठ्यक्रम शीर्षक- आदिकालीन साहित्य श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम वषयवस्तु –

इकाई-1 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : पृष्ठभू म एवं परिस्थितियाँ (6 घंटे)

क) हिन्दी साहित्य का आदिकाल : एक परिचय

ख) आदिकाल के नामकरण की समस्या

ग) आदिकालीन परिस्थितियाँ : सामाजिक,राजनैतिक, आ र्थक,सांस्कृतिक

इकाई-2 सद्ध एवं नाथ साहित्य (6 घंटे)

क) सद्ध साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) सद्ध साहित्य : प्रमुख क व, साधना पद्धति, साहित्यिक योगदान

ग) नाथ साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

घ) नाथ साहित्य : प्रमुख क व,साधना पद्धति,साहित्यिक योगदान

इकाई-3 जैन साहित्य (3 घंटे)

क) जैन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) जैन साहित्य : चरित काव्य एवं राम काव्य

इकाई-4 रासो काव्य परम्परा (11 घंटे)

क) रासो काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परम्परा, प्रमुख रासो काव्य एवं क व

ख) पृथ्वीराज रासो : प्रामा णकता का प्रश्न एवं काव्य-सौष्ठव

ग) पाठ ववेचन : चंद वरदाई – पृथ्वीराज रासठ (शा शवृता ववाह प्रस्ताव)

इकाई-5 लौ कक साहित्य एवं श्रृंगार काव्य परम्परा (14 घंटे)

क) लौ कक साहित्य एवं श्रृंगार काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) अमीर खुसरो – अमीर खुसरो :व्यक्तित्व एवं कृतित्व

ग) पाठ ववेचन : (सन्दर्भ ग्रन्थ : भोलानाथ तिवारी, 'अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य, पहे लयाँ : संख्या 2,3,27, बहिला र्लका : संख्या 9,13,28,30,31,37,गीत : संख्या 1,2,5,7, कव्वाली : संख्या 1,2)

घ) वद्यापति : कृतित्व,प्रकृति वर्णन,भक्ति एवं श्रृंगार,अपरूप के क व

ङ) पाठ ववेचन : (सन्दर्भ ग्रन्थ : सं रामवृक्ष बेनीपुरी, ‘ वद्यापति पदावली’,वंदना :पद संख्या : 1,2, वयः सं ध :पद संख्या 4,9,12,13,14,वसंत : पद संख्या 174,179,181,184)

संभा वत ग्रन्थ –

आधार ग्रन्थ :

1. चंद वरदाई – पृथ्वीराज रासउ (पद्मावती समय) अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली-6
2. अमीर खुसरो – अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य (संकलन भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली -110002
3. वद्यापति - वद्यापति पदावली (सं रामवृक्ष बेनीपुरी),लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1
4. अब्दुल रहमान - सन्देश रासक (सम्पादन - आचार्य हजारी प्रसाद द्ववेदी एवं वश्वनाथ त्रिपाठी) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली - 110 002

सन्दर्भ ग्रन्थ :

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास,काशी नागरी प्रचारिणी सभा काशी,1969
6. बच्चन संह हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन,1996
7. हजारी प्रसाद ì²uÉåSï हिन्दी साहित्य का आदिकाल ,पटना,1961
8. ब्रजरत्नदास (सम्पादन) खुसरो की हिन्दी क वता, नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी
9.. ÌuÉ±ÉmÉÌiÉ डॉ. शवप्रसाद संह,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1976
10. हजारी प्रसाद ì²uÉåSï,नामवर संह (सम्पादन) सं क्षप्त पृथ्वीराज रासो, साहित्य भवन प्रा. ल. इलाहाबाद
11. डॉ. वासुदेव संह (सम्पादन) आदिकालीन काव्य, वश्व वद्यालय प्रकाशन,वाराणसी